Class 10 Hindi (NCERT) — मंगलेश डबराल अध्याय पर आधारित प्रश्न पत्र (उत्तर सहित)

पूर्णांक: **80** | समय: **3** घंटे

सामान्य निर्देश

1. सभी प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।
2. जहाँ आवश्यक हो, उदाहरण देकर उत्तर स्पष्ट करें।
3. भाषा सरल, स्पष्ट और परीक्षा-उपयुक्त रखें।
4. यह प्रश्न पत्र मंगलेश डबराल अध्याय की गहरी समझ जाँचने हेतु बनाया गया है।

खंड – A (बहुविकल्पीय प्रश्न)

(प्रत्येक प्रश्न 1 अंक × 10 = 10 अंक)

प्रश्न 1

मंगलेश डबराल की कविता का मुख्य स्वर क्या है?
(क) वीर रस
(ख) प्रकृति प्रेम और संवेदनशीलता
(ग) हास्य
(घ) व्यंग्य

उत्तर: (ख) प्रकृति प्रेम और संवेदनशीलता

प्रश्न 2

मंगलेश डबराल किसके लिए प्रसिद्ध हैं?
(क) कहानी
(ख) नाटक
(ग) कविता
(घ) उपन्यास

उत्तर: (ग) कविता

प्रश्न 3

कवि की भाषा शैली कैसी है?
(क) जटिल
(ख) अलंकारिक
(ग) सरल और सहज
(घ) कठिन

उत्तर: (ग) सरल और सहज

प्रश्न 4

मंगलेश डबराल की रचनाओं में किसका चित्रण प्रमुख है?
(क) राजदरबार
(ख) आम आदमी का जीवन
(ग) युद्ध
(घ) विज्ञान

उत्तर: (ख) आम आदमी का जीवन

प्रश्न 5

कवि का जन्म किस राज्य में हुआ था?
(क) उत्तर प्रदेश
(ख) उत्तराखंड
(ग) बिहार
(घ) राजस्थान

उत्तर: (ख) उत्तराखंड

प्रश्न 6

कवि की कविता में कौन-सा भाव प्रमुख है?
(क) करुणा और संवेदना
(ख) क्रोध
(ग) घृणा
(घ) अहंकार

उत्तर: (क) करुणा और संवेदना

प्रश्न 7

मंगलेश डबराल किस काव्य धारा से जुड़े माने जाते हैं?
(क) प्रगतिशील धारा
(ख) छायावाद
(ग) रीति काल
(घ) भक्तिकाल

उत्तर: (क) प्रगतिशील धारा

प्रश्न 8

उनकी कविता का उद्देश्य क्या है?
(क) मनोरंजन
(ख) समाज की सच्चाई दिखाना
(ग) धन कमाना
(घ) इतिहास लिखना

उत्तर: (ख) समाज की सच्चाई दिखाना

प्रश्न 9

कवि किस प्रकार की भाषा का प्रयोग करते हैं?
(क) संस्कृतनिष्ठ
(ख) फारसी
(ग) बोलचाल की
(घ) उर्दू मिश्रित

उत्तर: (ग) बोलचाल की

प्रश्न 10

मंगलेश डबराल की कविता हमें क्या सिखाती है?
(क) प्रतिस्पर्धा
(ख) संवेदनशील बनना
(ग) क्रोध करना
(घ) हार मानना

उत्तर: (ख) संवेदनशील बनना

खंड – B (अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

(प्रत्येक प्रश्न 2 अंक × 10 = 20 अंक)

प्रश्न 11

मंगलेश डबराल का संक्षिप्त परिचय लिखिए।

उत्तर:
मंगलेश डबराल आधुनिक हिंदी कविता के प्रमुख कवि थे। उनका जन्म उत्तराखंड के टिहरी गढ़वाल क्षेत्र में हुआ। वे नई कविता और प्रगतिशील धारा से जुड़े रहे। उनकी कविताओं में आम आदमी का जीवन, प्रकृति प्रेम और मानवीय संवेदनाएँ प्रमुख रूप से व्यक्त होती हैं।

प्रश्न 12

कवि की भाषा की दो विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर:

1. भाषा सरल, सहज और बोलचाल के निकट है।
2. भाषा में भावों की गहराई और संवेदनशीलता स्पष्ट दिखाई देती है।

प्रश्न 13

कविता में प्रकृति का क्या महत्व है?

उत्तर:
मंगलेश डबराल की कविता में प्रकृति केवल सौंदर्य का माध्यम नहीं, बल्कि जीवन की सच्चाइयों और मानवीय भावनाओं को व्यक्त करने का साधन है। प्रकृति मनुष्य के जीवन से गहराई से जुड़ी हुई दिखाई देती है।

प्रश्न 14

कवि आम आदमी की बात क्यों करते हैं?

उत्तर:
कवि समाज के उपेक्षित और साधारण लोगों के जीवन को सामने लाना चाहते हैं। वे दिखाना चाहते हैं कि आम आदमी का संघर्ष और संवेदनाएँ भी साहित्य का महत्वपूर्ण विषय हैं।

प्रश्न 15

मंगलेश डबराल की कविता का संदेश क्या है?

उत्तर:
उनकी कविता का मुख्य संदेश है कि मनुष्य को संवेदनशील, मानवीय और सचेत रहना चाहिए तथा समाज की वास्तविकताओं को समझना चाहिए।

प्रश्न 16

कवि की शैली को सरल क्यों कहा जाता है?

उत्तर:
कवि कठिन शब्दों और जटिल अलंकारों से बचते हैं। वे रोजमर्रा की भाषा में गहरे भाव व्यक्त करते हैं, इसलिए उनकी शैली सरल कही जाती है।

प्रश्न 17

कविता में संवेदना से क्या तात्पर्य है?

उत्तर:
संवेदना का अर्थ है दूसरों के दुख-दर्द और भावनाओं को महसूस करना। मंगलेश डबराल की कविता में यह गुण बहुत प्रमुख है।

प्रश्न 18

कवि के अनुसार जीवन का सत्य क्या है?

उत्तर:
कवि के अनुसार जीवन का सत्य संघर्ष, परिवर्तन और मानवीय संबंधों की सच्चाई में निहित है।

प्रश्न 19

कविता में प्रयुक्त किसी एक प्रतीक का उदाहरण दीजिए।

उत्तर:
प्रकृति के तत्व जैसे पहाड़, पेड़, रास्ता आदि प्रतीक के रूप में प्रयुक्त होते हैं, जो जीवन यात्रा और संघर्ष का संकेत देते हैं।

प्रश्न 20

मंगलेश डबराल की रचनाओं की दो विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर:

1. आम आदमी के जीवन का यथार्थ चित्रण
2. गहरी मानवीय संवेदनाएँ और सरल भाषा

खंड – C (लघु उत्तरीय प्रश्न)

(प्रत्येक प्रश्न 5 अंक × 6 = 30 अंक)

प्रश्न 21

मंगलेश डबराल की कविता की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर:
मंगलेश डबराल की कविता आधुनिक हिंदी साहित्य में विशेष स्थान रखती है। उनकी कविताओं की प्रमुख विशेषताएँ निम्नलिखित हैं—

पहली विशेषता उनकी भाषा की सरलता है। वे कठिन और अलंकारिक भाषा के स्थान पर सहज बोलचाल की भाषा का प्रयोग करते हैं, जिससे उनकी कविता आम पाठकों तक आसानी से पहुँचती है।

दूसरी महत्वपूर्ण विशेषता मानवीय संवेदनाओं की गहराई है। उनकी कविता में आम आदमी के दुख-दर्द, अकेलापन, संघर्ष और आशाएँ जीवंत रूप में व्यक्त होती हैं।

तीसरी विशेषता प्रकृति से गहरा संबंध है। वे पहाड़, नदी, पेड़ आदि प्राकृतिक तत्वों के माध्यम से जीवन की सच्चाइयों को सामने लाते हैं।

चौथी विशेषता सामाजिक यथार्थ का चित्रण है। वे समाज में मौजूद असमानता, उपेक्षा और विडंबनाओं को बहुत संवेदनशील ढंग से प्रस्तुत करते हैं।

इस प्रकार मंगलेश डबराल की कविता सरलता, संवेदनशीलता और यथार्थवाद का सुंदर संगम है।

प्रश्न 22

कवि ने आम आदमी के जीवन को कैसे चित्रित किया है? उदाहरण सहित लिखिए।

उत्तर:
मंगलेश डबराल की कविता की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि उन्होंने आम आदमी के जीवन को केंद्र में रखा है। वे राजाओं-महाराजाओं या काल्पनिक नायकों के बजाय साधारण मनुष्य के जीवन की सच्चाइयों को सामने लाते हैं।

उनकी कविताओं में मजदूर, किसान, छोटे कर्मचारी, पहाड़ों में रहने वाले लोग आदि पात्र दिखाई देते हैं। कवि उनके संघर्ष, अभाव, सपनों और भावनाओं को बड़ी संवेदनशीलता से चित्रित करते हैं।

उदाहरण के रूप में, वे दिखाते हैं कि कैसे एक साधारण व्यक्ति रोजमर्रा की कठिनाइयों से जूझता हुआ भी उम्मीद बनाए रखता है। कवि का दृष्टिकोण सहानुभूतिपूर्ण है—वे आम आदमी के साथ खड़े दिखाई देते हैं।

इस प्रकार मंगलेश डबराल की कविता आम जनजीवन का सजीव दस्तावेज बन जाती है।

प्रश्न **23**

कविता में प्रकृति और मनुष्य के संबंध को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर:
मंगलेश डबराल की कविता में प्रकृति और मनुष्य का संबंध बहुत गहरा और आत्मीय है। उनके लिए प्रकृति केवल देखने की वस्तु नहीं, बल्कि मनुष्य के जीवन का अभिन्न हिस्सा है।

वे पहाड़, पेड़, नदी, रास्ते आदि का वर्णन करते हुए मनुष्य की भावनाओं को व्यक्त करते हैं। प्रकृति उनके यहाँ प्रतीक बनकर आती है—जैसे पहाड़ स्थिरता का, रास्ता जीवन यात्रा का और पेड़ आशा का प्रतीक बन जाता है।

कवि यह भी संकेत करते हैं कि आधुनिक जीवन में मनुष्य प्रकृति से दूर होता जा रहा है, जो चिंता का विषय है। वे प्रकृति के माध्यम से मनुष्य को अपनी जड़ों से जुड़ने का संदेश देते हैं।

इस प्रकार उनकी कविता में प्रकृति और मनुष्य एक-दूसरे के पूरक रूप में दिखाई देते हैं।

प्रश्न **24**

मंगलेश डबराल की भाषा और शैली पर टिप्पणी लिखिए।

उत्तर:
मंगलेश डबराल की भाषा और शैली उनकी कविता की सबसे बड़ी ताकत है। उनकी भाषा अत्यंत सरल, सहज और बोलचाल के निकट है। वे कठिन शब्दों और भारी अलंकारों से बचते हैं।

उनकी शैली में आत्मीयता और संवेदनशीलता है। वे छोटे-छोटे वाक्यों और सीधे बिंबों के माध्यम से गहरे भाव व्यक्त कर देते हैं। यही कारण है कि उनकी कविता पाठक के मन पर तुरंत प्रभाव डालती है।

उनकी शैली में प्रतीकात्मकता भी है, परंतु वह जटिल नहीं लगती। वे सामान्य जीवन की वस्तुओं को लेकर गहरे अर्थ पैदा करते हैं।

कुल मिलाकर, उनकी भाषा और शैली जनसाधारण के निकट और अत्यंत प्रभावशाली है।

प्रश्न **25**

कविता में छिपे सामाजिक संदेश को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर:
मंगलेश डबराल की कविता केवल भावनात्मक नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना से भरपूर है। उनकी कविताओं में समाज की विसंगतियाँ, असमानता और उपेक्षा की समस्याएँ उभरकर सामने आती हैं।

वे दिखाते हैं कि आधुनिक विकास के बावजूद आम आदमी अभी भी संघर्ष कर रहा है। कवि पाठकों को संवेदनशील बनने और समाज की वास्तविकताओं को समझने का संदेश देते हैं।

उनकी कविता हमें यह भी सिखाती है कि हमें प्रकृति से जुड़कर और मानवीय मूल्यों को अपनाकर एक बेहतर समाज बनाना चाहिए।

इस प्रकार उनकी कविता सामाजिक जागरूकता और मानवीय दृष्टि को मजबूत बनाती है।

प्रश्न 26

मंगलेश डबराल की कविता आज के समय में क्यों प्रासंगिक है?

उत्तर:
आज का समय तेज गति, प्रतिस्पर्धा और भौतिकवाद का है। ऐसे समय में मंगलेश डबराल की कविता हमें ठहरकर सोचने और मानवीय मूल्यों को याद करने की प्रेरणा देती है।

उनकी कविता आम आदमी की समस्याओं, अकेलेपन और संघर्ष को सामने लाती है, जो आज भी उतने ही सच हैं। आधुनिक जीवन में प्रकृति से बढ़ती दूरी भी उनकी कविता को और अधिक प्रासंगिक बनाती है।

वे हमें संवेदनशील, जागरूक और मानवीय बनने का संदेश देते हैं, जिसकी आज अत्यंत आवश्यकता है।

इसी कारण मंगलेश डबराल की कविता आज भी अत्यंत महत्वपूर्ण और प्रासंगिक है।

खंड – D (दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

(प्रत्येक प्रश्न 10 अंक × 2 = 20 अंक)

प्रश्न 27

मंगलेश डबराल की कविता में मानवीय संवेदनाओं का विस्तृत विश्लेषण कीजिए।

उत्तर:
मंगलेश डबराल आधुनिक हिंदी कविता के ऐसे कवि हैं जिनकी रचनाओं का केंद्र मानवीय संवेदनाएँ हैं। उनकी कविता में मनुष्य के सुख-दुख, अकेलेपन, संघर्ष, आशा और निराशा का अत्यंत मार्मिक चित्रण मिलता है। वे जीवन की छोटी-छोटी घटनाओं में भी गहरी भावनात्मक सच्चाई खोज लेते हैं।

सबसे पहले, उनकी कविता में आम आदमी के प्रति गहरी सहानुभूति दिखाई देती है। वे समाज के उन लोगों की बात करते हैं जिन्हें अक्सर अनदेखा कर दिया जाता है—जैसे मजदूर, किसान, छोटे कर्मचारी या पहाड़ी क्षेत्रों में रहने वाले लोग। कवि उनके जीवन के संघर्षों को बिना किसी आडंबर के प्रस्तुत करते हैं।

दूसरे, उनकी कविता में अकेलेपन और विस्थापन की भावना भी प्रमुख है। आधुनिक जीवन में मनुष्य अपने परिवेश और प्रकृति से दूर होता जा रहा है। कवि इस दूरी को बहुत संवेदनशील ढंग से व्यक्त करते हैं। उनकी पंक्तियाँ पाठक को भीतर तक छू लेती हैं।

तीसरे, प्रकृति के माध्यम से भी वे मानवीय भावनाओं को व्यक्त करते हैं। पहाड़, रास्ते, पेड़, घर—ये सब उनके यहाँ केवल दृश्य नहीं, बल्कि भावनाओं के प्रतीक हैं। उदाहरण के लिए, रास्ता जीवन यात्रा का और घर अपनत्व का प्रतीक बन जाता है।

चौथे, उनकी भाषा की सरलता संवेदनाओं को और प्रभावी बना देती है। वे जटिल शब्दों का प्रयोग नहीं करते, बल्कि सीधे और आत्मीय शब्दों से पाठक के हृदय तक पहुँचते हैं।

अंततः कहा जा सकता है कि मंगलेश डबराल की कविता मानवीय संवेदनाओं का सशक्त दस्तावेज है। उनकी रचनाएँ हमें अधिक संवेदनशील, मानवीय और जागरूक बनने की प्रेरणा देती हैं।

प्रश्न **28**

मंगलेश डबराल को जनकवि क्यों कहा जाता है? विस्तार से लिखिए।

उत्तर**:**
मंगलेश डबराल को जनकवि इसलिए कहा जाता है क्योंकि उनकी कविता का केंद्र आम जनता का जीवन है। वे उन विषयों को उठाते हैं जो सीधे सामान्य मनुष्य के अनुभवों से जुड़े होते हैं।

सबसे पहले, उनकी कविताओं में आम आदमी की उपस्थिति बहुत स्पष्ट है। वे मजदूर, किसान, पहाड़ी लोग, छोटे कर्मचारी आदि के जीवन का यथार्थ चित्रण करते हैं। इससे उनकी कविता जनसाधारण के बहुत निकट महसूस होती है।

दूसरे, उनकी भाषा अत्यंत सरल और बोलचाल की है। यह भाषा किसी विशेष वर्ग तक सीमित नहीं रहती, बल्कि हर पाठक आसानी से समझ सकता है। यही जनकवि की पहचान होती है।

तीसरे, उनकी कविता में सामाजिक चेतना प्रबल है। वे समाज की असमानताओं, विसंगतियों और मानवीय समस्याओं को उजागर करते हैं। वे केवल चित्रण नहीं करते, बल्कि पाठक को सोचने के लिए प्रेरित भी करते हैं।

चौथे, उनकी कविता में मानवीय मूल्यों—जैसे संवेदना, सहानुभूति, अपनापन—पर विशेष जोर है। यह दृष्टि उन्हें जनता के कवि के रूप में स्थापित करती है।

अंत में, यह कहा जा सकता है कि विषयवस्तु, भाषा, संवेदनशीलता और सामाजिक सरोकारों के कारण मंगलेश डबराल को उचित रूप से जनकवि कहा जाता है। उनकी कविता आज भी आम पाठकों के हृदय से सीधा संवाद करती है।

परीक्षा के लिए विशेष सुझाव

- मंगलेश डबराल अध्याय पढ़ते समय मुख्य भाव अवश्य समझें।
- उत्तर लिखते समय उदाहरण देना न भूलें।
- भाषा सरल और स्पष्ट रखें।

- दीर्घ उत्तर में अनुच्छेद विभाजन करें।
- पहले MCQs हल करें, फिर वर्णनात्मक प्रश्न।

निष्कर्ष (SEO Friendly)

मंगलेश डबराल हिंदी साहित्य के अत्यंत महत्वपूर्ण और संवेदनशील कवि हैं। उनकी कविता में आम आदमी का जीवन, प्रकृति का आत्मीय चित्रण और गहरी मानवीय संवेदनाएँ मिलती हैं। मंगलेश डबराल अध्याय कक्षा 10 हिंदी के विद्यार्थियों के लिए न केवल परीक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि जीवन मूल्यों को समझने के लिए भी उपयोगी है। यदि विद्यार्थी मंगलेश डबराल की कविता के मुख्य भाव, भाषा शैली और सामाजिक संदेश को अच्छी तरह समझ लेते हैं, तो वे परीक्षा में उत्कृष्ट अंक प्राप्त कर सकते हैं।